

55--

२५२१०१११

5.3 316

विनमिठगवते वन्ममेवानमेनमः॥

विग्ननक उवम॥ वि कषंरुन

वपेति कषंभक्तिरुविधुति वे

गुंमकषंयुयु मेउंडंरुद्रिमेपूठे ॥ ०

अंधुवन उवम॥ भक्तिमिमुमि

मेउंडंविधायविधवडुरा रुभा

एवमयाउधभट्टधीयधवमुरा ॥ ३

नथीष्टीवरलंनं पित्रवायुमुत्रव

ठवना पधंभा कि ॥ भा इ रे मि मू
 धं वि वि भु जे ॥ ३ य मि मे नं थ
 व रु उ मि डि वि मू भु डि ह मि य
 पु नै व भा पी म उ व मू भु डि ठ वि ध
 मि ॥ ४ नं ड वि धू मि के व लं न
 मू भे न डि गे मरः य मू मि निरः
 क र वि मू म की म पी ठ व ५ ७
 मू प मू भा पं मू पं भा न म नि न इ वि

ॐ
 नू

ॐ: एकुतामिनठेकुमिभंता

वसिभचमः ७ एकेमूहामि

भचसु भजिपूयेमिभचमः २

यभयद्रिउचवैमूहं धसुभीउ

वभी १ मद्रकउउद्रंभानमः

द्राधुद्रिमंसितः नद्रकउ

डिपिसुमाभउंधीवभापी

स्ये ३ एकेविसुसूचैपेद्रमि

डिनिस्त्रयवद्रिना भूद्वल्लुडुन

गरुनंवीडमेकःभापीठव

यडविस्त्रभिम्ठाडिकलिपुंर

हुमयवडा सुनयपरभानंमः

भविपल्लुभापंमर ०० भडुठिभा

नीभडुठिचस्त्रिचस्त्रुठिभात्रुपि

किंवमडुठिभडुयंयागडि

ॐ
नमो
भगवते

भागडिठवेडा ०० सुद्वल्लु

ॐ॥ इः प्रलः एकभुतुमि
नियः सुमन्निनिभ्यः सत्तु
भाङ्गुभाङ्गुनिव ०३ कुटुम्भ
वेणभसुतभाङ्गुनपरिठवयसु
ठन्नायंरुमंभङ्गु ठवंचरुभष
तुं मद्गठिभानपमेनसिचंचसुमि
भङ्गु वेपेदंरुनापङ्गुनतंनि
दत्तभापीठव ०४ निभन्निनिधि
येमिउंमुभूकंमेनिगङ्गुनःसुय

मेवाहितेचरुः भाभापिभवा हिसि ०५
 इयाष्टाधुमिमं विसंइयिधेयं
 षाउउः सुसुचरुधुपधुभाग
 भः क्कामुमिउताभा ०० निरयकी
 निवि करे निरुः सीउलासयः
 म्गाण्वसिर क्कवु ठवमिमउ
 वामनः ०१ भाकरभचविद्विनि
 रकरेउ निम्लं एउउडेभमे
 सननधनठवमंठवः ०३ यषे
 वामसभएमुउपुतः परिउमुभः

ॐ
 श्री
 ३

उषे ॥ मिमाक्षणीरुतुः पण्डितः पुरमेसुरः ०७

सकंभवगतं त्रुभवद्रिगुदृषाप्य

हे निहंति पण्डितं चक्रुः भवतु उगलितुष ३.

ॐ उषु वरु पुरभं पूकरामभा ॥ वि

विमद्रे निगद्वनः सातुः विपेद्रं प

होति पुरः पडावतुं भद्रं कालं मे

देनेव विममिडुः ० यषा पूक

सयामुके मेद्रभनं उषरागाडा

यडिभभरागाडु चभववामकिडु

ਮਸਰੀ ਗਮਕੇ ਵਿਚ ਪਰਿਤੁਸ਼ਟ ਮਧਾ ॥ ੩ ॥
 ਤਾਸਿ ਤੋ ਸਲਾ ਨੇਵ ਪਾਗਾ ॥ ਵਿਨਿਤੁ ॥
 ਧਥਾ ਨਤੋ ਧਤਿ ਨਿਰਾ ॥ ਧਨੁ ॥ ਠਨਰੁ ॥
 ਸੁਭਨਿ ਨਤਾਥਾ ਠਿ ਨਿਰਾ ॥ ਵਿਨਿਤੁ ॥
 ਤਤੁ ਮਾਤੋ ॥ ਠਵੇ ਨੇਵ ਪਏ ਧਨੁ ॥
 ਸੁਭਤ ਮਾਤੁ ਮੇਵੇ ॥ ਤਤੁ ਸੁਭਿ ਸੁਭਿ ॥
 ਧਥੇਵੇ ਕਾਸੇ ॥ ਤਤੁ ਪੁੰਨਾ ॥ ਪੁੰਨਾ ॥
 ਤਥਾ ਵਿਸੁ ਮਧਿ ॥ ਪੁੰਨਾ ॥ ਪੁੰਨਾ ॥
 ਸੁਭੁ ਲੁਨਾ ॥ ਠਿ ॥ ਤਤੁ ਲੁਨਾ ॥ ਠਿ ॥

ਮ
 ਸੁ
 ਰ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਪ੍ਰਤ: ੦੦ ਸਦੇ ਸਦਨ ਨਮੋ ਮਹਾਂ ਸਕੇ ਦੇ ਨੇ ਨਾ
 ਨਾ ਪ੍ਰਤਿ ਮਿਤਰ ਗਤਾ ਨਾ ਗਤਾ ਵਾ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ੁ ਮਾ
 ਪ੍ਰਤ: ੦੩ ਸਦੇ ਸਦਨ ਨਮੋ ਮਹਾਂ ਸਕੇ ਦੇ ਨਾ ਮੀ
 ਦਮਤੁ ਮ: ਸਮੰ ਮੁ ਸੁ ਸਰ ਰਿ ੦ ਏ ਨਵਿ
 ਸੁਮਿਰੰਧੁ ਭੰ ੦੩ ਸਦੇ ਸਦਨ ਨਮੋ ਮਹਾਂ ਯ
 ਮੁ ਮਨਾ ਪੁਕਿ ਨੁ ਨ ਸੁ ਥ ਵਾ ਯ ਮੁ ਯ
 ਮ. ਸੁ ਯ ਮੁ ਯ ਨ ਮਗੇ ਸਰ ਮਾ ੦੮ ਸੁ
 ਨੇ ਲੁ ਏ ਤ ਥਾ ਲੁ ਵਾ ਤਿ ਤ ਏ ਨਾ ਮੁ ਵਾ
 ਮੁ ਵੰ ਸ ਲੁ ਨਾ ਮੁ ਤਿ ਯ ਤੇ ਸੰ ਮੇ ਦਮ
 ਮਿ ਨਿ ਗਿ ਨੁ ਨ: ਸੁ ਤ ਮਲ ਮਦੇ ਸੁ: ਪਨਾ
 ਵਤੁ ਮੁ ਮਿ ਠ ਪ ਲੇ ਸੁ ਸੁ ਮੇ ਤ ਨੁ ਪਾ ਮ

ਸਿ
 ਸ੍ਰੀ
 ੫

वं के दंसि सुभमलः ०० रं च भा उद
 मरुता मयः पिः कलि उभया एवं
 विभु भवति तं निविकल्प मुद्रि म०१
 सदे भवि मु उं वि सु व मु उ न भ यि मु उं
 न भ र त्ते मु भे वं कू विः सु उ नि रा मू यः ०३
 भ म गी रा भि रं वि सु न कि पि नि सि उ मा
 उ र्मु मि म उ मु रु म उ उ ल न ए न ०७
 म गी रं भ ग न र के र त्ते वं यं उ ष
 क ल न भ म उ म क दंसि ला रु नः ३ ॥ ६
 स दे ए न भ भ द म न सु उं प सु उं म म ॥ ६
 म र ए भ व सं व उं क र तिं क र वा ए न भ ३३
 दं स दे न म क दं ए वि न द भं दं मि उ

土土

三

五

卷之四

64

41

मय मेवादिनेचरु सुभीरु एीविउं मुद्रं
 सदे कुवनक लेलेवासि दुद्रं रुमं रु
 मयुनतुमका मुं ठे मिद्रं
 वा उं पुमं मुद्रं सठं एी ववामि
 एी एउं उं विनसुतः मयुनतुमका मुं ठे
 वा मुद्रं ववी नयः उद्रं उं पुत्रिने
 लं उं विमति मुठं वतः उं पउं उं
 सीस पुवने ॥ ॐ नमो विन
 मिनभा नमं के विद्रं वउद्रं ॥
 उवा नमं एी एी एी एी एी एी एी एी
 गीमर सुके रसु नउं लेठ वषा र
 एउं विद्रं मउं विमुं मुद्रं उं यउं नउं

भूणीगुम्। क स म वृत्तनेगतिः। सुद्ध ह
नरुदे प्रीति, विषयं क म।

ॐ स्वभा गर भैः नमः भूति विष्णु
देविं नील वण वृण व भ ३ ॥

सूत्रं पञ्चमं तत्र भा द्वा नमः त्रिभु

नमः रं उप भु त्र त्र भं भ त्रि भालि

त्रिभुग सु त्रि त्र भं च त्रि त्रिभुग

त्रिभुग भव त्रु ता निरा त्रि त्रि भने

त्रि न त्र सु त्र त्र भं भ त्र भ त्र व त्रु त्र

त्रि त्रु त्रः प र भ त्रु त्र भं त्रु त्रु त्रं क

भव ग गे वि कलः कं त्रि त्रि त्रि त्रि त्रि

त्रि त्रु त्रं त्रु न त्र त्रि त्र भ व त्र त्र त्रि

त्रि त्रि त्रि त्रि त्रि त्रि त्रि त्रि त्रि

सुखलः सुखदं क' मभा' क' सुख
लभतुमत्रसिद्धः ॥ एता' सुखविभक्त
धुनिह' निहविर्विकि' सुखदं मे
क' क' मभा' मे क' मे वविर्वा' विक' ॥
पीरसु' सुभा' न' प' सुभा' न' प' ॥
भव' सु' न' केवल' प' सु' न'
उ' सु' न' सु' प' ॥ सु' सुभा' न' स
सी' सु' प' सु' सु' सु' सु' सु' सु' सु'
व' सु' प' नि' सु' य' क' सु' सु' सु' सु'
दा' मयः ॥ भा' या' भा' सु' सु' सु' सु'

ਪ੍ਰਸੰਨਿਗਤਕੋਤਕ:॥ਸੁਪਿਮਾਨਿ
ਯਿਤੋਤੁਤਿਕਥੰਤੁਮੁਤਿਭੀਰਧੀ:॥
ਨਿ:ਸੰਦੇਖੰਨਮੰਧਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮ
ਯਤਿਨ:ਤਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮੁਤ੍ਰੇਰ
ਨਕੰਨਮਧਯਤਿ॥ਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮ
ਸੁਪਿਮੇਸੁਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮੁਤ੍ਰੇਰ
ਸੰਧੁਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮ
ਧੀਰਧੀ:॥ਸੁਤ੍ਰਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮ
ਨਿਰੁਤ੍ਰਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮੁਤ੍ਰੇਰ
ਧੀਰਧੀ:॥ਸੁਤ੍ਰਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮ
ਧੀਰਧੀ:॥ਸੁਤ੍ਰਮੁਤ੍ਰੇਰਸੁਪਿਮ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वसुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ शुक्लमवमन्ति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥

इति नमो भगवते वासुदेवाय

महोदधिनिवारं न प्रपशुकी

विष्णुविहः ३ विष्णुनंतवैरुध

नह गैर मुहिल यः अहंम

ਸਤਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਹਕਿਮੁ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीगणेशाय नमः ॥ १५५ नमः

सनमः ॥ सम्भुवेनमः ॥

गेनगुरेयः [चिह्नं भक्तितुभक्तुम
 मुपुवा मुमुकल्यना ॐ तिष्ठन्त
 यैः भक्तैः गेनगुरेय लघुः च
 दंश भवकुतः भवेकुतः च भवि
 ॐ तिष्ठन्त यैः भक्तैः गेनगुरेय
 शाः ॥

ते भक्त्युत्तमस्तु भक्तैः विमुक्तैः उत
 उः कृमिभिः इव न न भक्त्युत्तम
 दिष्टुता भक्त्युत्तमस्तु भक्तैः
 गुरीरीश्वरः उत इव भक्त्युत्तम
 उत भक्त्युत्तमस्तु भक्तैः भक्त्युत्तम
 भक्त्युत्तमस्तु विमुक्तैः भक्त्युत्तम

सुडिसा डीरिग कं राउ उधः दमभु
 उः॥ सुडु ठा वेधुने ठा वेधुने ननुनिगादुने॥
 उडुभउ म्भुदः स'तुप उठव'द म'भुदः॥
 सुदेसिक्क उमेव'द म'भुद'लेप मंर'त॥
 सडे मम कं म्भुदुदे ये प'मे द्यक'र'त॥

ॐ

सी३॥ चरै यम॥ मित्रं किं हि सु॥ गृहि
 मे सति॥ किं हि सु॥ मित्रं किं हि सु॥ गृहि
 सु॥ मित्रं किं हि सु॥ गृहि
 नव॥ गृहि न मे मि॥ न भ॥ गृहि न मे मि॥
 न॥ गृहि न मे मि॥ न भ॥ गृहि न मे मि॥
 उ॥ भ॥ गृहि न मे मि॥ न भ॥ गृहि न मे मि॥